

ताराओं में से एक टि. यह नासिक के पास है और इसमें से गोदावरी नदी निकलती है 7. क्षत्रियों का एक भेद 8. भूमिहारों का एक भेद 9. एक ऋषि जिन्होंने स्मृति बनाई है 10. एकविष 11. गौतम ऋषि के पुत्र शतानन्द 12. कृपाचार्य।

गौतमी पुं. (तत्.) 1. गौतम ऋषि की स्त्री अहिल्या 2. कृपाचार्य की स्त्री जो प्रसिद्ध तपस्विनी थी 3. गोदावरी नदी जो गौतम नामक पर्वत से निकली है 4. गौतम ऋषि की बनाई हुई स्मृति 5. बुद्धके उपदेश 6. गोरोचन।

गौद पुं. (देश.) दे. घोद।

गौनई स्त्री. (देश.) 1. गान 2. संगीत।

गौनई स्त्री. (देश.) जिसका गौना हाल ही में हुआ हो।

गौनहार स्त्री. (देश.) वह स्त्री जो दुल्हिन के साथ उसके ससुराल जाए।

गौनहारी स्त्री. (तद्.) गानेवाली स्त्रियाँ जो समूह में गाती हों, ये प्रायः छोटी जाति की होती हैं, ये स्त्रियाँ गायन को पेशा बना लेती हैं।

गौना पुं. (तद्.) विवाह के बाद की एक रस्म जिसमें वर अपने ससुराल जाता है और कुछ रीति-रस्म पूरी करके वधू को अपने साथ ले आता है, द्विरागमन, मुकलावा मुहा. गौना देना-वधू को वर के साथ पहिले-पहल ससुराल भोजना; गौना लाना- वर का अपने ससुराल जाकर वधू को अपने साथ ले आना टि. पूरब में 'गौने जाना, गौने का आना' आदि भी बोलते हैं।

गौपुच्छ वि. (तत्.) गाय की एक पूँछ के समान।

गौप्तेय पुं. (तत्.) वैश्य स्त्री का पुत्र।

गौमुखी स्त्री. (तत्.) गौ के मुख के आकार की बनी हुई थैली जिसमें माला रखकर जप करते हैं।

गौमेद पुं. (तत्.) एक प्रकार का रत्न जो चार रंग का होता है. श्वेत, पीताभ, लाल और गहरा नीला, इसकी गणना उप रत्नों में होती है।

गौर पुं. (तत्.) 1. गोर चमड़े वाला, श्वेत, उज्ज्वल, सफेद 2. लाल रंग 3. पीला रंग 4. चंद्रमा 5.

धव का पेड़ 6. सोना 7. याज्ञवल्क्य के अनुसार एक प्रकार का बहुत छोटा मान जो तोलने के काम आता है, और प्रायः तीन सरसों के दानों के बराबर होता है 7. केसर 8. एक प्रकार का मृग जिसके खुर बीच में सफेद नहीं होते 9. सफेद सरसों 10. चैतन्य महाप्रभु का एक नाम 11. एक पर्वत जो ब्रह्मांडपुराण के अनुसार कैलास के उत्तर में है 12. एक प्रकार का भैंसा 13. बृहस्पतिग्रह स्त्री. पार्वती

गौर पुं. (अर.) 1. सोच-विचार करना, चिंतन 2. ख्याल, ध्यान, गौर से-ध्यानपूर्वक।

गौरक पुं. (तत्.) एक प्रकार का धान।

गौरग्रीव पुं. (तत्.) पुराणानुसार एक देश जो कूर्म विभाग के मध्य में है।

गौरचंद्र पुं. (तत्.) महाप्रभु-चैतन्य देव।

गौरतलब पुं. (अर.) गौर करने योग्य, विचारणीय।

गौरबासन पुं. (तत्.) गौरवपूर्ण पद, सम्मानित पद।

गौरव पुं. (तत्.) 1. बड़प्पन, महत्व 2. गुरुता, भारीपन।

गौरवशाली पुं. (तत्.) गौरवमय।

गौरवान्वित पुं. (तत्.) सम्मान प्राप्त, गौरवयुक्त।

गौरवित वि. (तत्.) गौरवान्वित, सम्मानपूर्ण।

गौरांग पुं. (तत्.) 1. विष्णु 2. श्री कृष्ण 3. चैतन्य महाप्रभु वि. गोरे अंग या शरीर वाला।

गौरांगी स्त्री. (तत्.) 1. गोरी, सुंदरी।

गौरा स्त्री. (तत्.) गोरे रंग की स्त्री 2. पार्वती 3. हल्दी 4. संगीत में एक प्रकार की रागिनी।

गौराटिका स्त्री. (तत्.) एक प्रकार का कौआ।

गौरार्द्रक पुं. (तत्.) अफीम, संखिया, कनेर आदि स्थावर विष।

गौरास्थ पुं. (तत्.) एक प्रकार का बंदर जिसके शरीर का रंग काला और मुँह गोरे रंग का होता है।

गौराहिक पुं. (तत्.) एक प्रकार का साँप।